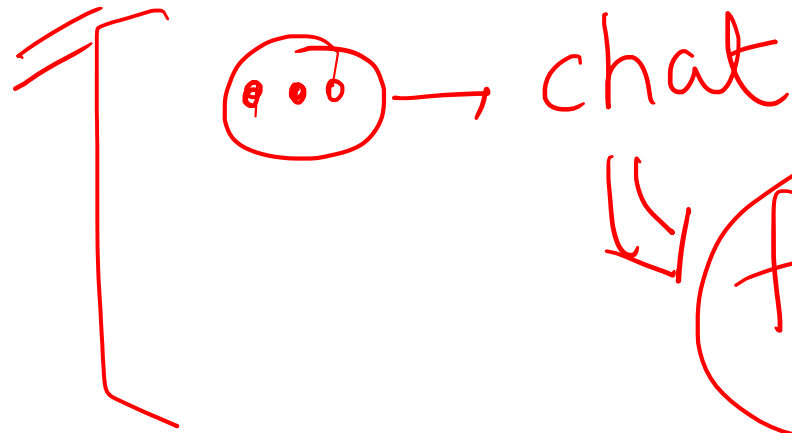


~~App~~ + update



⇓ facult
chat



SAFALTA CLASS™

An Initiative by **अमरउजाला**



HISTORY BY

SUJEET BAJPAI SIR



□ CTET Syllabus for Paper 1

(1-5)

Section	No. of Qs	Max Marks
Child Development & Pedagogy(compulsory)	30	30
Language I (compulsory)	30	30
Language II (compulsory)	30	30
Mathematics	30	30
Environmental Studies	30	30
Total	150	150

❑ CTET Syllabus for Paper 2 (6-8)

Section	No. of Qs	Max Marks
Child Development & Pedagogy(compulsory)	30	30
Language I (compulsory)	30	30
Language II (compulsory)	30	30
Mathematics and Science (for Mathematics and Science teacher)	60	60
Social Studies/Social Science (for Social Studies/Social Science teacher)	60	60
Total	150	150

60%

SSX

HISTORY

Pol

history

wars hooked British course went passionate teachers era remember understand away still interested interesting long took wanted

[illegible]

V. Social Studies/Social Sciences

a) Content

❖ History

- When, Where and How
- The Earliest Societies
- The First Farmers and Herders
- The First Cities
- Early States
- New Ideas

Largest

(Total Topics
⇓
29)

- The First Empire
- Contacts with Distant lands
- Political Developments
- (Culture and Science)
- New Kings and Kingdoms
- Sultans of Delhi
- Architecture //
- Creation of an Empire //
- Social Change //

- Regional Cultures //
- The Establishment of Company Power
- Rural Life and Society
- Colonialism and Tribal Societies
- The Revolt of 1857-58
- ~~Women and reform~~
- Challenging the Caste System
- The Nationalist Movement
- India After Independence]

modern

Syllabus

class 6, 7, 8

① ✓
Ancient
પ્રાચીન



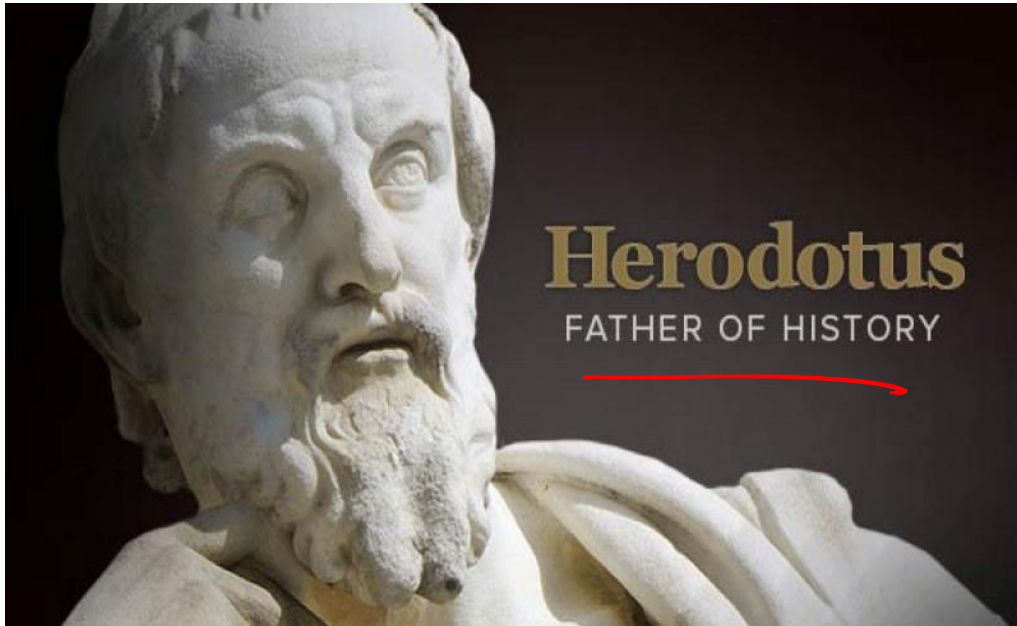
② medieval
નદયકાલીન

③ modern

→ ग्रीक विद्वान

➤ Herodotus को इतिहास का जनक कहा जाता है.

[Book] → (Historica) (To Investigate)



भारत में इतिहास की प्रथम पुस्तक - राजतरंगिणी

लेखक - कल्हण

(1st Book of History)

Kalhan

Kalhana's Rājatarāṅgiṇī

A Chronicle of the Kings of Kashmir

Volume I



→ Sub ⇒ History of Kashmir

→ River of Kings

wheat

Barley

①

गेहूँ और जौ की फसलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. मनुष्यों द्वारा सर्वप्रथम इन्हीं फसलों को उपजाने की शुरुआत की गई।

2. इन फसलों के उपजाने का क्षेत्र हिमालय और विंध्य की पहाड़ियाँ थीं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

North-West

A) केवल 1

B) केवल 2

C) 1 और 2 दोनों

D) न तो 1 और न ही 2

Proof

अब तुम उत्तर-पश्चिम की सुलेमान और किरथर पहाड़ियों का पता लगाओ। इसी क्षेत्र में कुछ ऐसे स्थान हैं जहाँ लगभग आठ हजार वर्ष पूर्व स्त्री-पुरुषों ने सबसे पहले गेहूँ तथा जौ जैसी फ़सलों को उपजाना आरंभ किया। उन्होंने भेड़, बकरी और गाय-बैल जैसे पशुओं को पालतू बनाना शुरू किया। ये लोग गाँवों में रहते थे। उत्तर-पूर्व में गारो तथा मध्य भारत में विंध्य पहाड़ियों का पता लगाओ। ये कुछ अन्य ऐसे क्षेत्र थे जहाँ कृषि का विकास हुआ। जहाँ सबसे पहले चावल उपजाया गया वे स्थान विंध्य के उत्तर में स्थित थे।

Southern

(2)

गंगा नदी के दक्षिण में इसकी सहायक नदी सोन के आस-पास का क्षेत्र प्राचीन काल में किस नाम से जाना जाता था?

- A) अवन्ति
- B) वज्जि
- C) काशी
- D) मगध

गंगा तथा इसकी सहायक नदी सोन का पता लगाओ। गंगा के दक्षिण में इन नदियों के आस-पास का क्षेत्र प्राचीन काल में 'मगध' (वर्तमान बिहार में) नाम से जाना जाता था। इसके शासक बहुत शक्तिशाली थे और उन्होंने एक विशाल राज्य स्थापित किया था। देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसे राज्यों की स्थापना की गई थी।

Hand ← manuscripts

8

पाण्डुलिपियों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

~~A)~~ अतीत में हाथ से लिखी गई पुस्तकें पाण्डुलिपि कहलाती थीं।

~~B)~~ अंग्रेजी में पाण्डुलिपि के लिये मैनुस्क्रिप्ट शब्द का प्रयोग होता है जो लैटिन भाषा के शब्द 'मेनू', (जिसका अर्थ 'हाथ' है) से निकला है।

~~C)~~ पाण्डुलिपियाँ ताड़ के पत्तों को काटकर अथवा हिमालयी क्षेत्र में उगने वाले भूर्ज नामक पेड़ की छाल से विशेष तरीके से तैयार भोज पत्र पर लिखी जाती थीं।

~~D)~~ पाण्डुलिपियाँ केवल मंदिरों और विहारों में प्राप्त होती हैं, जो केवल संस्कृत भाषा में लिखी गई हैं।

Birch

तमिल + पाकृत

इतने वर्षों में इनमें से कई पाण्डुलिपियों को कीड़ों ने खा लिया तथा कुछ नष्ट कर दी गई। फिर भी ऐसी कई पाण्डुलिपियाँ आज भी उपलब्ध हैं। प्रायः ये पाण्डुलिपियाँ मंदिरों और विहारों में प्राप्त होती हैं। इन पुस्तकों में धार्मिक मान्यताओं व व्यवहारों, राजाओं के जीवन, औषधियों तथा विज्ञान आदि सभी प्रकार के विषयों की चर्चा मिलती है। इनके अतिरिक्त हमारे यहाँ महाकाव्य, कविताएँ तथा नाटक भी हैं। इनमें से कई संस्कृत में लिखे हुए मिलते हैं जबकि अन्य प्राकृत और तमिल में हैं। प्राकृत भाषा का प्रयोग आम लोग करते थे।

Inscriptions

4

अभिलेखों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

- ~~1.~~ ऐसे लेख जो केवल पत्थरों पर उत्कीर्ण किये जाते थे, अभिलेख कहलाते हैं।
 - ~~2.~~ कभी-कभी शासक अथवा अन्य लोग अपने आदेशों को इस तरह उत्कीर्ण करवाते थे ताकि लोग उन्हें देख व पढ़ सकें तथा उनका पालन कर सकें।
- उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A) केवल 1

B) केवल 2

~~C) 1 और 2 दोनों~~

D) न तो 1 और न ही 2

हम अभिलेखों का भी अध्ययन कर सकते हैं। ऐसे लेख पत्थर अथवा धातु जैसी अपेक्षाकृत कठोर सतहों पर उत्कीर्ण किए गए मिलते हैं। कभी-कभी शासक अथवा अन्य लोग अपने आदेशों को इस तरह उत्कीर्ण करवाते थे, ताकि लोग उन्हें देख सकें, पढ़ सकें तथा उनका पालन कर सकें। कुछ अन्य प्रकार के अभिलेख भी मिलते हैं जिनमें राजाओं तथा रानियों सहित अन्य स्त्री-पुरुषों ने भी अपने कार्यों के विवरण उत्कीर्ण करवाए हैं। उदाहरण के लिए प्रायः शासक लड़ाइयों में अर्जित विजयों का लेखा-जोखा रखा करते थे।



अशोक का कांधार से प्राप्त अभिलेख निम्नलिखित में से किन लिपियों में लिखा गया है?

- A) अरामाईक और ब्राह्मी
- B) यूनानी और ब्राह्मी
- C) देवनागरी और तमिल
- ~~D) यूनानी और अरामाईक~~

5

↓
Script
Roman

राम
Ram

6

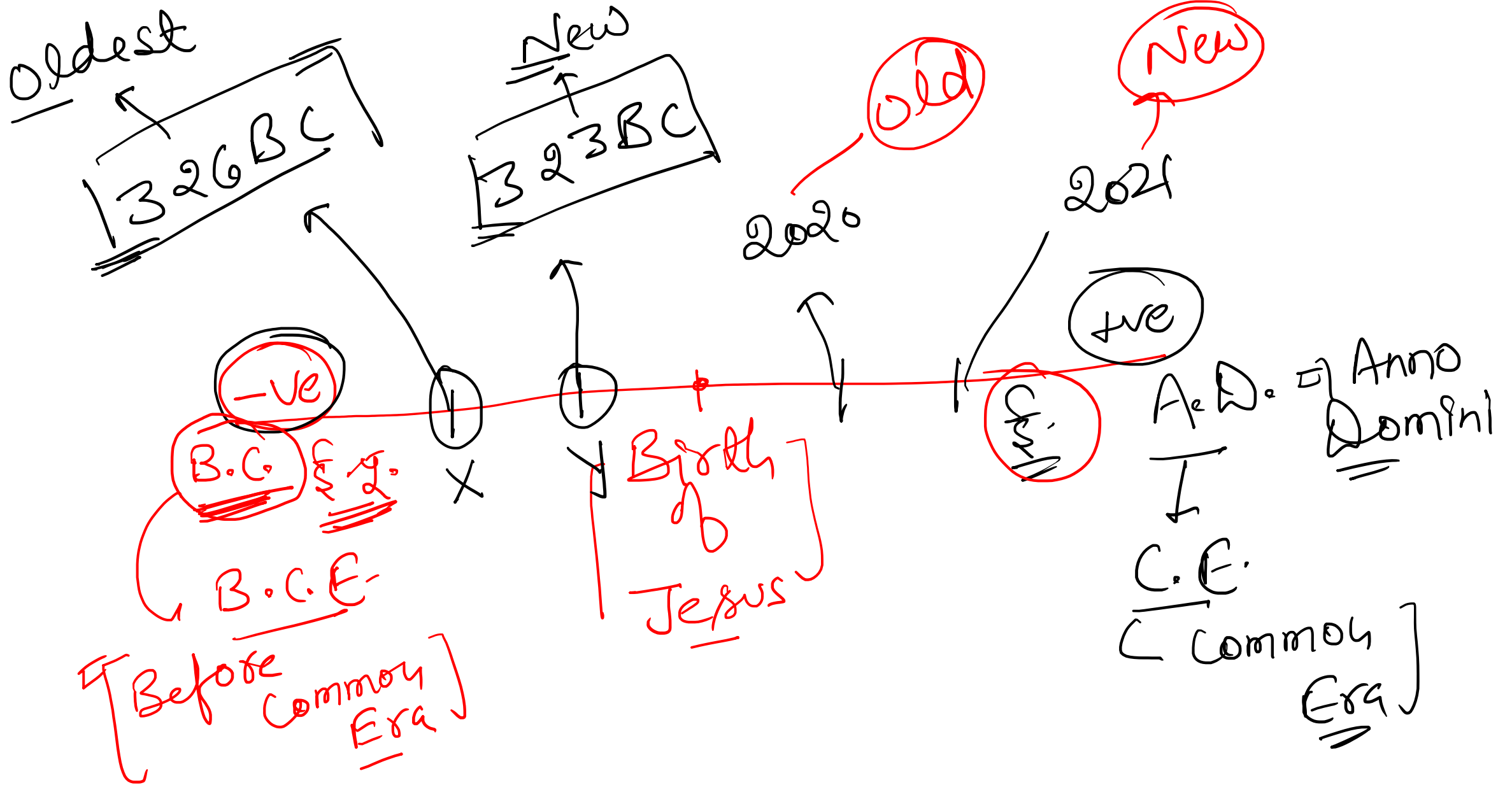
~~कथन (A)~~: ईसा मसीह के जन्म के पूर्व की सभी तिथियाँ ई.पू. (ईसा पूर्व) के रूप में जानी जाती हैं।

~~कारण (R)~~: वर्ष की गणना ईसाई धर्म-प्रवर्तक ईसा मसीह के जन्म की तिथि से की जाती है।

BC

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिये-

- ~~A)~~ (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
- B) (A) और (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- C) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- D) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।



Ancient Indian History

પ્રાગૈતિહાસિક
કાલ

① Prehistoric Age

→ No written evidence
શ્રીદ =

② પ્રાદ્ય
પ્રોટો
Historic Age

→ written ✓
- Read (X)

③ હિ. કાલ
Historic Age

- written ✓
- Read ✓

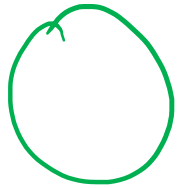
(१११. गानव
इतिहास)

Pre Historic Age

पुरा पाषाण काल

Palaeolithic Age

लक
(2 mn - 12000)



slow

मेस
(Mesolithic Age)

middle

(12000 - 10000)

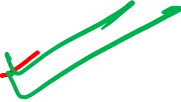


New


Neolithic Age

(10000 - 6000)





Archaeologists call the earliest period the Palaeolithic. This comes from two Greek words, 'palaeo', meaning old, and 'lithos', meaning stone. The name points to the importance of finds of stone tools. The Palaeolithic period extends from 2 million years ago to about 12,000 years ago. This long stretch of time is divided into the Lower, Middle and Upper Palaeolithic. This long span of time covers 99% of human history.



पुरातत्वविद् प्राचीन काल को पुरापाषाण कहते हैं। यह दो यूनानी शब्दों से आता है, 'पालाओ', जिसका अर्थ है पुराना, और 'लिथोस', जिसका अर्थ पत्थर है। नाम पत्थर के औजारों के खोजों के महत्व को इंगित करता है। पुरापाषाण काल का विस्तार 2 मिलियन साल पहले से लगभग 12,000 साल पहले तक। के इस लंबे खिंचाव समय निचले, मध्य और ऊपरी पुरापाषाण में विभाजित है। यह लंबा समय की अवधि मानव इतिहास के 99% को शामिल किया गया।



The period when we find environmental changes, beginning about 12,000 years ago till about 10,000 years ago is called the Mesolithic (middle stone). Stone tools found during this period are generally tiny, and are called microliths.

Microliths were probably stuck on to handles of bone or wood to make tools such as saws and sickles. At the same time, older varieties of tools continued to be in use.

The next stage, from about 10,000 years ago, is known as the Neolithic.

अवधि जब हम पर्यावरण परिवर्तन मिल जाए, के बारे में शुरुआत 12,000 साल पहले तक लगभग 10,000 साल पहले तक मध्यपाषाण (मध्य) कहा जाता है पत्थर) । इस अवधि के दौरान पाए जाने वाले पत्थर के उपकरण आम तौर पर छोटे होते हैं, और होते हैं माइक्रोलिथ कहा जाता है। Microliths शायद हड्डी के हैंडल पर अटक गए थे या लकड़ी ऐसे आरी और दरांती के रूप में उपकरण बनाने के लिए। इसके साथ ही उपकरणों की पुरानी किस्में लगातार उपयोग में रहीं । अगले चरण, लगभग 10,000 साल पहले से, नवपाषाण के रूप में जाना जाता है।

WHAT, WHERE, HOW AND WHEN?

Where did people live?

People have lived along the banks of river Narmada for several hundred thousand years.

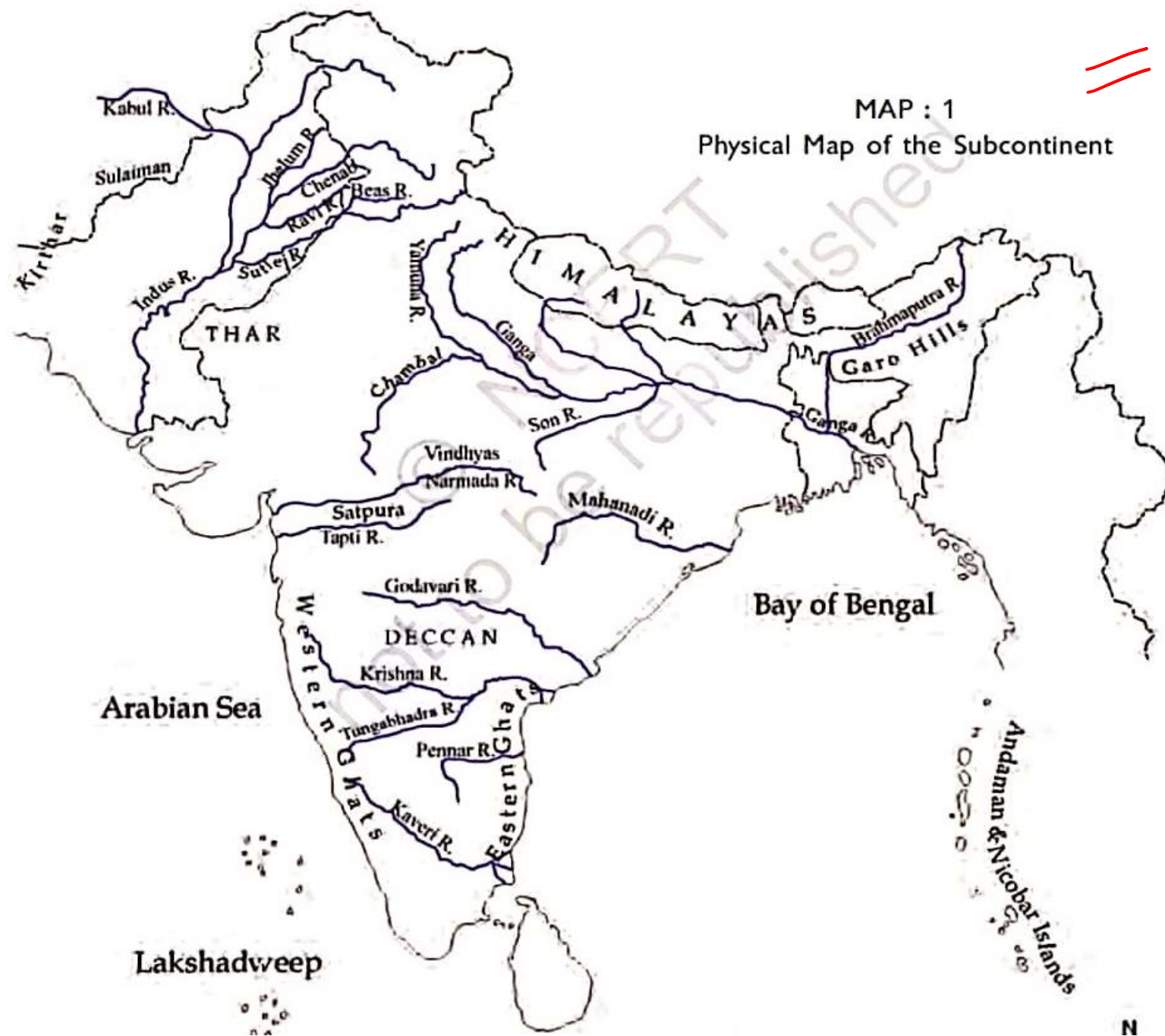
Some of the earliest people who lived here were skilled gatherers, — that is, people who gathered their food.

They knew about the vast wealth of plants in the surrounding forests, and collected roots, fruits and other forest produce for their food. They also hunted animals.

निगबतक।

क्या, कहां, कैसे और कब?

लोग कहां रहते थे? लोग कई सौ हजार वर्षों से नर्मदा नदी के किनारे रहते हैं। यहां रहने वाले कुछ शुरुआती लोग कुशल इकट्ठा होने वाले थे, यानी वे लोग जिन्होंने अपना खाना इकट्ठा किया। वे आसपास के जंगलों में पौधों की विशाल संपदा के बारे में जानते थे, और अपने भोजन के लिए जड़ें, फल और अन्य वनोपज एकत्र करते थे। उन्होंने जानवरों का शिकार भी किया।



परिचय-८

Sulaiman and Kirthar hills to the northwest, were the areas where women and men first began to grow crops such as wheat and barley about 8000 years ago are located here.

People also began rearing animals like sheep, goat, and cattle, and lived in villages. Locate the Garo hills to the north-east and the Vindhyas in central India.

These were some of the other areas where agriculture developed. The places where rice was first grown are to the north of the Vindhyas

उत्तर-पश्चिम में सुलेमान और किर्थार पहाड़ियां, वे क्षेत्र थे जहां महिलाओं और पुरुषों ने पहले गेहूं और जौ जैसी फसलें उगानी शुरू की थीं, लगभग 8000 साल पहले यहां स्थित हैं। लोग भेड़, बकरी और मवेशियों जैसे जानवरों को पालने भी लगे और गांवों में रहने लगे। पूर्वोत्तर और मध्य भारत में विंध्य के लिए गारो पहाड़ियों का पता लगाएं। ये कुछ अन्य क्षेत्र थे जहां कृषि का विकास हुआ। जिन स्थानों पर चावल पहले उगाया गया था, वे विंध्य के उत्तर में हैं।

Water

Trace the river Indus and its tributaries (tributaries are smaller rivers that flow into a larger river). About 4700 years ago, some of the earliest cities flourished on the banks of these rivers.

Later, about 2500 years ago, cities developed on the banks of the Ganga and its tributaries. Locate the Ganga and its tributary called the Son.

In ancient times the area along these rivers to the south of the Ganga was known as Magadha now lying in the state of Bihar. Its rulers were very powerful, and set up a large kingdom.

↓
South part of Bihar

सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों का पता लगाएं (सहायक नदियां छोटी नदियां हैं जो एक बड़ी नदी में बहती हैं)। करीब 4700 साल पहले कुछ शुरुआती शहर इन नदियों के किनारे फले-फूले थे। बाद में करीब 2500 साल पहले गंगा और उसकी सहायक नदियों के किनारे शहर विकसित हुए। पुत्र कहे जाने वाले गंगा और उसकी सहायक नदी का पता लगाएं। प्राचीन काल में इन नदियों के साथ गंगा के दक्षिण में आने वाला क्षेत्र अब बिहार राज्य में स्थित मगध के नाम से जाना जाता था। इसके शासक बहुत शक्तिशाली थे, और एक बड़ा राज्य स्थापित किया।

Names of the land

NCCERI

Two of the words we often use for our country are India and Bharat. The word India comes from the Indus, called Sindhu in Sanskrit.

The Iranians and the Greeks who came through the northwest about 2500 years ago and were familiar with the Indus, called it the Hindos or the Indos, and the land to the east of the river was called India.

The name Bharata was used for a group of people who lived in the northwest, and who are mentioned in the Rigveda, the earliest composition in Sanskrit (dated to about 3500 years ago). Later it was used for the country.

भारत कबीला
clan

हम अक्सर अपने देश के लिए जिन दो शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, उनमें से दो भारत और भारत हैं ।
भारत शब्द सिंधु से आता है, जिसे संस्कृत में सिंधु कहा जाता है।
ईरानी और यूनानी जो लगभग 2500 साल पहले उत्तर-पश्चिम से होकर आए थे और सिंधु से परिचित थे,
इसे हिन्दोस या इंडोस कहते थे, और नदी के पूर्व में स्थित भूमि को भारत कहा जाता था।
भरत नाम का उपयोग उत्तर-पश्चिम में रहने वाले लोगों के एक समूह के लिए किया गया था, और
जिनका उल्लेख ऋग्वेद में किया गया है, संस्कृत में सबसे पुरानी रचना (लगभग 3500 साल पहले की
तारीख)। बाद में इसका इस्तेमाल देश के लिए किया गया।



Indo-Aryan Migration into India, c. 1750 B.C.

→ Indo-Aryan routes

काली

PLATEAU
OF IRAN

HINDU KUSH

Indus

यदुगोत्रिक/ North-west

INDIA

VINDHYA MTS.

DECCAN
PLATEAU

Ganges

Arabian
Sea

Bay of
Bengal

INDIAN
OCEAN

N
↑

0 200 400 mi
0 200 400 km

Finding out about the past (Sources)

41c

There are several ways of finding out about the past. One is to search for and read books that were written long ago.

415/14

These are called manuscripts, because they were written by hand (this comes from the Latin word 'manu', meaning hand). These were usually written on palm leaf, or on the specially prepared bark of a tree known as the birch, which grows in the Himalayas.

225

(CIS)

अतीत के बारे में पता लगाना

अतीत के बारे में जानने के कई तरीके हैं। एक तो उन किताबों को खोजना और पढ़ना है जो बहुत पहले लिखी गई थीं। इन्हें पांडुलिपियां कहा जाता है, क्योंकि इन्हें हाथ से लिखा गया था (यह लैटिन शब्द 'मनु' से आता है, जिसका अर्थ है हाथ)। ये आमतौर पर ताड़ के पत्ते पर लिखे जाते थे, या एक पेड़ की विशेष रूप से तैयार छाल पर, जिसे बर्च के नाम से जाना जाता है, जो हिमालय में बढ़ता है।

2Th | RAM

અભિષેક

We can also study inscriptions. These are writings on relatively hard surfaces such as stone or metal.

An old inscription of Ashoka. This inscription dates to about 2250 years ago, and was found in Kandahar, present-day Afghanistan.

This inscription was inscribed in two different scripts and languages, Greek (top) and Aramaic (below), which were used in this area.

Script (લિપિ) \Rightarrow method to write
a language \Rightarrow ભાષા

अतीत के बारे में जानने के कई तरीके हैं। एक तो उन किताबों को खोजना और पढ़ना है जो बहुत पहले लिखी गई थीं। इन्हें पांडुलिपियां कहा जाता है, क्योंकि इन्हें हाथ से लिखा गया था (यह लैटिन शब्द 'मनु' से आता है, जिसका अर्थ है हाथ)। ये आमतौर पर ताड़ के पत्ते पर लिखे जाते थे, या एक पेड़ की विशेष रूप से तैयार छाल पर, जिसे बर्च के नाम से जाना जाता है, जो हिमालय में बढ़ता है।